

केहड़ी में खुदाई मंग लई

तैथो मंगेया जे थोडा जेहा प्यार माँ,
केहड़ी में खुदाई मंग लई।
खुशी वेख लैदा मैं वी दिन चार माँ,
केहड़ी में खुदाई मंग लई॥

दुनिया जे रूस गयी ए गिला नहीं इसदा,
तेरे बिना मैं नू ना सहारा कोई दिसदा।
तू वी दित्ता मैं काहनू दुत्कार माँ,
केहड़ी में खुदाई मंग लई॥

केहड़ी गल्लों रूस के माँ मुख मैथों मोड़ेया,
मेरीयाँ उमीदां डा सहारा कानू तोड़ेया।
मैं ता कित्ता ए तेरे ते ऐतबार माँ,
केहड़ी में खुदाई मांग लई॥

मन्नेया मैं पापी हाँ गुनाह दा हाँ भरेया,
बक्श दे नी माये मैथों जांदा नहीं जरिया।
करां भिन्तां तू सुन लै पुकार माँ,
केहड़ी में खुदाई मांग लई॥

करमा दा मारिया हाँ ठोकरा ना मार माँ,
चरना च 'दास' नु बुला लै एक बार माँ।
तेरी रेहमता दे भरे ने भण्डार माँ,
केहड़ी में खुदाई मांग लई॥

कवि : [अशोक शर्मा दास](#)

<https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/597/title/taithon-mangeya-je-toda-jeha-pyar-maa-kehdi-main-khudayi-mang-layi>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |